Lakshya IAS
academy

25
Aug 2026

DAILY CURRENT AFFAIRS

Mr. R.P. Singh Sir
(MD)

लक्ष्य IAS तेलीबाग लखनऊ
Lakshya IAS Academy
8182093320

1. उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन का 24 अगस्त को आंध्र प्रदेश का दौरा निर्धारित

- उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने 24 अगस्त को आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले में स्थित मुसुनुरु गांव का दौरा निर्धारित किया। इस महत्वपूर्ण आधिकारिक दौरे के दौरान, वह स्थानीय कृषि क्षमताओं को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से भारत की पहली गैर-आनुवंशिक रूप से संशोधित जीव (GMO) उच्च-विस्तार पॉपकॉर्न मक्का संकर बीज किस्म का शुभारंभ करेंगे। प्रसंस्करण सुविधा में कार्यक्रम में एक संवादात्मक सत्र भी शामिल है, जहां उपराष्ट्रपति कृषि हितधारकों को संबोधित करेंगे, स्थानीय किसानों को सम्मानित करेंगे और क्षेत्रीय कृषक समुदाय को समर्थन देने वाले महत्वपूर्ण विकासों पर प्रकाश डालेंगे, इसके बाद दोपहर में गन्नवरम हवाई अड्डे से वापस प्रस्थान करेंगे।

मुख्य बिंदु:

- उच्च उपज वाले बीजों का शुभारंभः आंध्र प्रदेश के एलुरु जिले में अपने आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान पॉपकॉर्न बीजों की एक नई किस्म का शुभारंभ।
- स्थानीय कृषक समुदाय को बढ़ावा देनाः तटीय क्षेत्र में कृषि उत्पादकता को प्रोत्साहित करने और ग्रामीण आजीविका का समर्थन करने के लिए क्षेत्रीय मक्का किसानों के साथ सीधे संवाद करना।
- उच्च स्तरीय आधिकारिक उपस्थितिः 24 अगस्त को अपने आधिकारिक कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल और मुख्यमंत्री के साथ प्रमुख राज्य कार्यक्रमों में भाग लेना।

1. Vice President C. P. Radhakrishnan Scheduled to Visit Andhra Pradesh on August 24

- Vice President C. P. Radhakrishnan scheduled a high-profile visit to Musunuru village located in the Eluru district of Andhra Pradesh on August 24. During this significant official tour, he will launch India's inaugural non-Genetically Modified Organism high-expansion popcorn maize hybrid seed variety aimed at advancing local agricultural capabilities. The itinerary at the processing facility also includes an interactive session where the Vice President will address agricultural stakeholders, felicitate local farmers, and highlight crucial developments supporting the regional farming community before departing back from Gannavaram Airport later in the afternoon.

Key Points:

- Launching high yield seeds: Launching a new variety of popcorn seeds during his official engagement in the Eluru district of Andhra Pradesh.
- Fostering local farming community: Interacting directly with regional maize farmers to encourage agricultural productivity and support rural livelihoods across the coastal region.
- High level official presence: Attending key state events alongside the Governor and Chief Minister during his official schedule on August twenty-fourth.

2. पुनर्योजी कृषि पद्धतियों के माध्यम से भारत ने कृषि लचीलेपन को मजबूत किया

परंपरागत कृषि विकास योजना पूरे भारतीय राज्यों में टिकाऊ कृषि, प्राकृतिक खेती और बेहतर मृदा उर्वरता की दिशा में बदलाव को आगे बढ़ाने वाले प्राथमिक राष्ट्रीय ढांचे के रूप में कार्य करती है। राष्ट्रीय सतत कृषि मिशन के अंतर्गत लागू यह केंद्र प्रायोजित पहल किसानों को पर्यावरण-अनुकूल, रसायन-मुक्त उत्पादन पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु समूह-आधारित दृष्टिकोण का उपयोग करती है। खेत पर जैविक आदानों, मृदा परीक्षण और स्थानीय प्रमाणीकरण प्रणालियों को सहायता प्रदान करके, यह योजना कृत्रिम रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता को काफी कम करती है, साथ ही दीर्घकालिक पारिस्थितिकी तंत्र की स्थिरता को बढ़ाती है। इसके अलावा, यह प्राकृतिक मृदा स्वास्थ्य की रक्षा करने और देशभर में समग्र कृषि लचीलेपन को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण, प्रत्यक्ष बाजार संपर्क और टिकाऊ भूमि प्रबंधन पद्धतियों हेतु संरचित सहायता प्रदान करती है।

मुख्य बिंदु:

- क्षरित मृदा स्वास्थ्य की बहाली: न्यूनतम जुताई और प्राकृतिक मल्चिंग को सक्रिय रूप से अपनाने से ऊपरी मृदा की उर्वरता और जैव विविधता को प्राकृतिक रूप से पुनर्जीवित करने में सहायता मिलती है।
- प्राकृतिक जलवायु लचीलेपन में वृद्धि: खेतों की जल धारण क्षमता बढ़ाने से सिंचाई पर समग्र निर्भरता कम होती है, साथ ही सूखे और लू के विरुद्ध मजबूत सुरक्षा विकसित होती है।
- महंगे रासायनिक आदानों में कमी: कृत्रिम उर्वरकों को समाप्त करने से कृषि संचालन की कुल लागत में उल्लेखनीय कमी आती है, साथ ही दीर्घकालिक खाद्य सुरक्षा और उत्पादकता को समर्थन मिलता है।

2. India Strengthens Agricultural Resilience Through Regenerative Farming Practices

Paramparagat Krishi Vikas Yojana serves as the primary national framework driving the transition toward sustainable agriculture, natural farming, and improved soil vitality across Indian states. Implemented under the National Mission on Sustainable Agriculture, this centrally sponsored initiative utilizes a cluster-based approach to encourage farmers to adopt eco-friendly, chemical-free production methods. By supporting on-farm organic inputs, soil testing, and local certification systems, the scheme significantly reduces reliance on synthetic chemical fertilizers while enhancing long-term ecosystem stability. Furthermore, it provides structured assistance for capacity building, direct market connectivity, and sustainable land management practices to safeguard natural soil health and boost overall agrarian resilience nationwide.

Key Points:

- Restoring degraded soil health: Active adoption of minimal tillage and natural mulching works to revive topsoil fertility and biological diversity naturally.
- Enhancing natural climate resilience: Enhancing field water retention capacity lowers overall irrigation dependence while building strong protection against droughts and heatwaves.
- Reducing expensive chemical inputs: Eliminating synthetic fertilizers cuts overall farm operational expenses significantly while supporting long term food security and productivity.

3. पीयूष गोयल ने जापान में 200 सदस्यीय भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ के तत्वावधान में जापान के लिए भारत के अब तक के सबसे बड़े 200 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। चार दिवसीय इस रणनीतिक आधिकारिक दौरे में टोक्यो, नागोया और ओसाका शामिल हैं, जिसका उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करना, निवेश को बढ़ावा देना और दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों को बढ़ाना है। अर्धचालक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वच्छ ऊर्जा, विनिर्माण, वाहन उद्योग, स्वास्थ्य सेवा और नवाचार आधारित नए उद्यम जैसे महत्वपूर्ण विकास क्षेत्रों को शामिल करते हुए, उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल जापान के प्रमुख औद्योगिक समूहों और जापान के प्रमुख उद्योग निकायों सहित प्रमुख व्यावसायिक संगठनों के साथ बातचीत करता है। इन चर्चाओं का उद्देश्य नए निवेश अवसरों को खोलना और दीर्घकालिक तकनीकी साझेदारियों को बढ़ावा देना है।

मुख्य बिंदुः

- रणनीतिक व्यापार संबंधों का विस्तारः जापान के प्रमुख औद्योगिक केंद्रों में वाणिज्यिक साझेदारियों को मजबूत करने के लिए 200 सदस्यीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करना।
- प्रमुख प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर ध्यानः अर्धचालक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, वाहन विनिर्माण और स्वच्छ ऊर्जा जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में वैश्विक व्यावसायिक नेताओं के साथ बातचीत करना।
- विदेशी औद्योगिक निवेश आकर्षित करनाः राष्ट्रीय बुनियादी ढांचे और तकनीकी नवाचार के विस्तार के लिए दीर्घकालिक विदेशी पूंजी सुरक्षित करने हेतु घरेलू विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देना।

3. Piyush Goyal Leads 200-Member Indian Business Delegation to Japan

Union Minister of Commerce and Industry Piyush Goyal led India's largest-ever 200-member business delegation to Japan under the aegis of the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry. The strategic four-day official tour covers Tokyo, Nagoya, and Osaka to strengthen bilateral trade, promote investment, and enhance economic ties between both nations. Spanning critical growth sectors such as semiconductors, artificial intelligence, clean energy, manufacturing, automotive, healthcare, and startups, the high-level delegation engages with major Japanese conglomerates and key industry bodies including Keidanren. These discussions aim to unlock new investment opportunities and foster long-term technological partnerships.

Key Points:

- Expanding strategic trade ties: Leading a two hundred member business delegation to strengthen commercial partnerships across major industrial hubs in Japan.
- Targeting key tech sectors: Engaging with global business leaders across critical domains like semiconductors, artificial intelligence, automotive manufacturing, and clean energy.
- Attracting foreign industrial investment: Promoting domestic manufacturing capabilities to secure long term foreign capital for expanding national infrastructure and technological innovation.

4. INS सुदर्शिनी लोकायन 2026 यात्रा के दौरान लिस्बन पहुंचा

भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण पोत INS सुदर्शिनी, जो तीन मस्तूल वाले बार्क तरंगिनी वर्ग से संबंधित है, लोकायन 2026 नामक अपनी तैनाती के तहत पुर्तगाल के लिस्बन पहुंचा। इस ऐतिहासिक अंतरमहाद्वीपीय अटलांटिक समुद्री यात्रा के दौरान पोत के पंद्रहवें बंदरगाह आगमन के रूप में यह यात्रा दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को मजबूत करने, राजनयिक सद्भावना को बढ़ावा देने और पारस्परिक समझ को बढ़ाने के उद्देश्य से की गई है। संक्षिप्त बंदरगाह प्रवास के दौरान, पोत के चालक दल और अधिकारी प्रशिक्षु पुर्तगाली नौसैनिक कर्मियों के साथ पेशेवर संवाद, द्विपक्षीय चर्चाओं और पोतों के बीच पारस्परिक भ्रमण में शामिल होते हैं। यह ऐतिहासिक समुद्री यात्रा वैश्विक समुद्री संपर्क, व्यावहारिक नौकायन प्रशिक्षण और अंतर-सांस्कृतिक सौहार्द को बढ़ावा देने के प्रति भारतीय नौसेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

मुख्य बिंदु:

- समुद्रपारीय प्रशिक्षण यात्रा का संचालनः पारंपरिक नौकायन कौशल और नौसैनिक क्षमताओं को प्रदर्शित करने वाली सात महीने की जारी तैनाती के तहत पुर्तगाल पहुंचना।
- अंतरराष्ट्रीय नौसैनिक सहयोग को बढ़ावा देनाः द्विपक्षीय राजनयिक और समुद्री संबंधों को मजबूत करने के लिए नौसैनिक कर्मियों के साथ पोतों के बीच पारस्परिक आदान-प्रदान और पेशेवर संवाद करना।
- स्थानीय प्रवासी समुदाय के साथ जुड़ावः यात्रा के दौरान वैश्विक सद्भावना और स्थायी समुद्री संबंधों को मजबूत करने के लिए सांस्कृतिक संवाद और सामुदायिक बैठकों का आयोजन करना।

4. INS Sudarshini Reaches Lisbon During LOKAYAN 2026 Voyage

Indian Navy Sail Training Ship INS Sudarshini, belonging to the three-masted barque Tarangini class, reached Lisbon in Portugal as part of its deployment named LOKAYAN 2026. Marking the vessel's fifteenth port call during this historic trans-Atlantic sail voyage, the visit aims to strengthen maritime cooperation, foster diplomatic goodwill, and enhance mutual understanding between both nations. During the brief port call, the ship crew and officer cadets engage in professional interactions, bilateral discussions, and cross-deck visits with Portuguese naval personnel. The historic ocean voyage underscores the commitment of the Indian Navy toward global maritime outreach, practical seamanship training, and promoting cross-cultural camaraderie.

Key Points:

- Executing transoceanic training voyage: Arriving in Portugal as part of an ongoing seven month deployment showcasing traditional seamanship and naval capabilities.
- Promoting international naval cooperation: Conducting cross deck exchanges and professional interactions with naval personnel to strengthen bilateral diplomatic and maritime connections.
- Engaging with local diaspora: Hosting cultural interactions and community meetings to reinforce global goodwill and enduring maritime ties during the voyage.

5. विशाखापत्तनम में आयोजित बैठक में ब्रिक्स के खेल मंत्रियों ने संयुक्त घोषणा-पत्र अपनाया

- आंध्र प्रदेश के तटीय शहर विशाखापत्तनम ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के अंतर्गत अगस्त 2026 में ब्रिक्स खेल मंत्रियों की बैठक की मेजबानी की। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में आयोजित इस उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय बैठक में सदस्य देशों के मंत्री और वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल प्रमुख बहुपक्षीय संबंधों को गहरा करने के लिए एकत्र हुए। प्रतिनिधियों ने पारंपरिक और स्वदेशी खेलों, खेल प्रौद्योगिकी तथा विनिर्माण के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर केंद्रित सर्वसम्मति से एक संयुक्त घोषणा-पत्र अपनाया। इस महत्वपूर्ण सम्मेलन में खिलाड़ियों के आदान-प्रदान, खेल विज्ञान में नवाचार, समावेशी भागीदारी और सहयोगात्मक विकास पर जोर दिया गया, ताकि वैश्विक समूह में दीर्घकालिक खेल साझेदारियों को मजबूत किया जा सके।

मुख्य बिंदु:

- घोषणा-पत्र को सर्वसम्मति से अपनाना: निरंतर संवाद, आदान-प्रदान कार्यक्रमों और क्षमता निर्माण के माध्यम से बहुपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए साझा खेल ढांचे को अपनाना।
- लक्षित कार्य समूहों की स्थापना: खेल विज्ञान, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण और खेलों में डिजिटल नवाचार को आगे बढ़ाने पर केंद्रित विशेष विशेषज्ञ समूहों की स्थापना करना।
- घरेलू उपकरण उत्पादन को बढ़ावा देना: अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करने और वैश्विक निर्यात बाजारों के लिए स्वदेशी उत्पादन को बढ़ावा देने हेतु खेल सामान विनिर्माण समूहों को प्रोत्साहित करना।

5. BRICS Sports Ministers Adopt Joint Declaration at Visakhapatnam Meeting

- The coastal city of Visakhapatnam in Andhra Pradesh hosted the BRICS Sports Ministers Meeting in August 2026 under India's BRICS Chairship. Chaired by Union Minister for Youth Affairs and Sports Mansukh Mandaviya, the high-level international assembly brought together ministers and senior delegation heads from member countries to deepen multilateral ties. The delegates adopted a consensus Joint Declaration focused on enhancing cooperation across traditional and indigenous sports, sports technology, and manufacturing. The landmark conference emphasized athlete exchanges, sports science innovation, inclusive participation, and collaborative growth to strengthen long-term sports partnerships across the global bloc.

Key Points:

- Unanimous adoption of declaration: Adopting a shared sports framework to strengthen multilateral cooperation through continuous dialogue, exchange programs, and capacity building.
- Establishing targeted working groups: Setting up dedicated expert groups focused on advancing sports science, artificial intelligence integration, and digital innovation in athletics.
- Boosting domestic equipment production: Promoting sports goods manufacturing clusters to attract international investments and boost indigenous production for global export markets.

6. केंद्रीय मंत्रियों के साथ विशाखापत्तनम में ब्रिक्स मैत्री साइकिल कार्यक्रम आयोजित

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में ब्रिक्स मैत्री साइकिल रैली का नेतृत्व किया, जिसमें राष्ट्रीय फिट इंडिया आंदोलन और इसकी लोकप्रिय रविवार को साइकिल चलाने की पहल को प्रमुखता दी गई। ब्रिक्स खेल मंत्रियों की बैठक के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में सदस्य देशों के मंत्री और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि खेल भावना तथा स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के लिए एकत्र हुए। साप्ताहिक विषय उन्नत भारत अभियान के अंतर्गत हजारों स्थानों के युवाओं ने शारीरिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए राष्ट्रव्यापी अभियान में भाग लिया। पर्यावरणीय स्थिरता पर जोर देते हुए, रैली ने साइकिल चलाने को एक आदर्श व्यायाम के रूप में प्रदर्शित किया, जो शहरी यातायात की भीड़ को कम करता है, ईंधन की खपत घटाता है और सक्रिय सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देता है।

मुख्य बिंदु:

- स्वस्थ जीवनशैली की आदतों को बढ़ावा देना: नियमित शारीरिक गतिविधि को प्रोत्साहित करने और दैनिक स्वास्थ्य के मजबूत संस्कार का निर्माण करने के लिए बड़े सार्वजनिक रैली का नेतृत्व करना।
- मजबूत अंतरराष्ट्रीय सद्भावना को बढ़ावा देना: नागरिकों के साथ अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों को साइकिल चलाने के लिए एकत्रित करना, जिससे सदस्य देशों के बीच आपसी सहयोग और एकजुटता मजबूत हो।
- हरित शहरी परिवहन को बढ़ावा देना: शहरों में यातायात की भीड़ कम करने, मूल्यवान ईंधन भंडार को संरक्षित करने और कार्बन उत्सर्जन घटाने के लिए गैर-मोटर चालित परिवहन को प्रमुखता देना।

6. BRICS Friendship Cycling Event Held in Visakhapatnam with Union Ministers

Union Minister for Youth Affairs and Sports Dr. Mansukh Mandaviya led the BRICS Friendship Cycling Rally in Visakhapatnam, Andhra Pradesh, highlighting the national Fit India Movement and its popular Sundays on Cycle initiative. Organised on the sidelines of the BRICS Sports Ministers Meeting, the event brought together ministers and international delegates from member nations to promote athletic fellowship and healthy living. Under the weekly theme Unnat Bharat Abhiyan, youth across thousands of locations joined the nationwide campaign to spread awareness about physical wellbeing. Emphasizing environmental sustainability, the rally showcased cycling as an ideal exercise that reduces urban traffic congestion, cuts fuel usage, and drives active community participation.

Key Points:

- Promoting healthy lifestyle habits: Leading a massive public rally to encourage routine physical activity and build a strong culture of daily fitness.
- Fostering strong international goodwill: Bringing together international delegates to ride alongside citizens, reinforcing mutual cooperation and solidarity among member nations.
- Advocating green urban transport: Highlighting non motorized transport to reduce city traffic congestion, conserve precious fuel reserves, and lower carbon emissions.

7. भारत मैसूरु में जनजातीय भाषाओं और संग्रहालयों पर राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी करेगा

- मैसूरु स्थित भारतीय भाषा संस्थान को 2026 में जनजातीय भाषाओं और संग्रहालयों पर राष्ट्रीय सम्मेलन के आयोजन के लिए प्रमुख नोडल स्थल के रूप में निर्धारित किया गया है। यह राष्ट्रीय सम्मेलन भाषाविदों, शोधकर्ताओं, संग्रहालय विशेषज्ञों और सांस्कृतिक विशेषज्ञों को एक साथ लाकर स्वदेशी भाषाई विरासत के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और संवर्धन की रणनीतियों पर चर्चा करेगा। विचार-विमर्श में जनजातीय भाषा अभिलेखागार के आधुनिकीकरण, डिजिटल दस्तावेजीकरण उपकरणों के उपयोग तथा समुदाय-आधारित संग्रहालय पहलों के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, ताकि संकटग्रस्त मौखिक परंपराओं को सुरक्षित रखा जा सके। शैक्षणिक अनुसंधान और संस्थागत व्यवस्थाओं को मजबूत करके यह आयोजन दुर्लभ जनजातीय बोलियों के संरक्षण और भावी पीढ़ियों के लिए स्वदेशी सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

मुख्य बिंदु:

- स्वदेशी भाषाई विरासत का संरक्षण: दुर्लभ जनजातीय भाषाओं और मौखिक परंपराओं के दस्तावेजीकरण, संरक्षण और संवर्धन के लिए शोधकर्ताओं तथा समुदाय के प्रतिनिधियों को एक साथ लाना।
- आधुनिक जनजातीय संग्रहालयों को बढ़ावा: समृद्ध स्वदेशी इतिहास और पारंपरिक कला रूपों को प्रदर्शित करने के लिए आधुनिक तकनीक तथा संवादात्मक प्रदर्शनियों के उपयोग पर चर्चा।
- समावेशी शैक्षिक नीतियों को बढ़ावा: जनजातीय विद्यार्थियों के बीच बहुभाषी शिक्षा और सांस्कृतिक पहचान के संरक्षण के लिए विशेष शिक्षण रूपरेखाएं तैयार करना।

7. India to Host National Conclave on Tribal Languages and Museums in Mysuru

- The Central Institute of Indian Languages located in Mysuru is designated as the primary nodal venue for hosting the National Conclave on Tribal Languages and Museums in 2026. This national gathering brings together linguists, researchers, museum curators, and cultural experts to discuss strategies for documenting, preserving, and promoting indigenous linguistic heritage. The deliberations focus on modernizing tribal language archives, integrating digital documentation tools, and expanding community-driven museum initiatives to safeguard vulnerable oral traditions. By strengthening academic research and institutional frameworks, the event plays a vital role in protecting rare tribal dialects and showcasing indigenous cultural heritage for future generations.

Key Points:

- Preserving indigenous linguistic heritage: Bringing together researchers and community leaders to document, protect, and promote rare tribal languages and oral traditions.
- Modernizing tribal museum spaces: Discussions focus on utilizing modern technology and interactive exhibitions to showcase rich indigenous history and traditional art forms.
- Promoting inclusive educational policies: Creating specialized pedagogical frameworks to support multilingual learning and preserve cultural identity among young tribal students.

8. राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और कल्टस एजुकेशन ने अमेजन वेब सेवाओं के सहयोग से क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल कार्यक्रम शुरू किया

राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और कल्टस एजुकेशन ने अमेजन वेब सेवाओं के साथ साझेदारी करके भारतीय युवाओं के लिए विशेष क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल कार्यक्रम शुरू किया है। कल्टस को इसके कार्यान्वयन सहयोगी के रूप में निर्धारित किया गया है और यह पहल पूरी तरह ऑनलाइन माध्यम से संचालित की जाएगी। इसका उद्देश्य सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 150,000 शिक्षार्थियों को स्व-अध्ययन आधारित डिजिटल प्रशिक्षण सामग्री के माध्यम से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्लाउड संबंधी बुनियादी ज्ञान प्रदान करना है। इसके अतिरिक्त, 10,000 प्रतिभागी गहन, समूह-आधारित अमेजन वेब सेवाएं पुनःआरंभ कार्यक्रम में आगे बढ़ेंगे, जहां उन्हें क्लाउड अवसंरचना, नेटवर्किंग, सुरक्षा, आंकड़ा-भंडार और प्रोग्रामिंग का व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा। विशेष रूप से द्वितीय और तृतीय श्रेणी के शहरों के युवाओं को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार यह राष्ट्रव्यापी अभियान राष्ट्रीय हैकाथॉन के साथ समाप्त होगा।

मुख्य बिंदु:

- राष्ट्रव्यापी डिजिटल कौशल अभियानः पूरे भारत में 150,000 से अधिक शिक्षार्थियों को क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का बुनियादी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए साझेदारी।
- क्षेत्रीय युवाओं का सशक्तीकरणः छोटे शहरों और अपेक्षाकृत कम सुविधायुक्त क्षेत्रों के प्रतिभाशाली युवाओं को विशेष आभासी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से अवसर प्रदान करना।
- उद्योग-प्रमाणित प्रशिक्षण की पेशकशः व्यावहारिक प्रयोगशाला आधारित गहन रोजगारपरक कार्यक्रमों के माध्यम से उम्मीदवारों को उच्च मांग वाली तकनीकी नौकरियों के लिए तैयार करना।

8. National Skill Development Corporation and Cultus Education Launch Cloud and AI Skilling Programme with AWS Support

The National Skill Development Corporation and Cultus Education partnered with Amazon Web Services to launch a specialized Cloud and AI skilling programme for Indian youth. Delivered fully online through Cultus as the designated execution partner, the initiative aims to provide 150,000 learners across all states and union territories with foundational AI and cloud literacy using self-paced digital training content. Furthermore, 10,000 participants will progress to the intensive, cohort-based AWS re/Start program, gaining hands-on expertise in cloud infrastructure, networking, security, databases, and programming to secure entry-level technology roles. Designed specifically to empower youth in Tier-2 and Tier-3 cities, the nationwide campaign concludes with a National Hackathon.

Key Points:

- Nationwide digital skilling drive: Partnering to deliver foundational cloud and artificial intelligence training to over one hundred fifty thousand learners across India.
- Empowering youth in regions: Target setting provides specialized virtual training programs to uplift ambitious youth living in smaller towns and underserved communities.
- Offering industry certified training: Providing intensive workforce programs featuring hands-on practical labs to prepare candidates directly for high demand tech jobs

9. प्रधानमंत्री ने भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र पर चर्चा के लिए अंतरिक्ष नव उद्यमों के प्रमुखों से संवाद किया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा तीर्थ में बीस अंतरिक्ष नव उद्यमों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों और संस्थापकों के साथ संवाद किया तथा भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 के दूरगामी प्रभावों पर प्रकाश डाला। इस उदारीकृत वैधानिक ढांचे ने घरेलू अंतरिक्ष क्षेत्र को गैर-सरकारी संस्थाओं के लिए खोल दिया है, जिससे निजी कंपनियों को प्रक्षेपण अभियानों के सभी चरणों का संचालन करने, रॉकेट बनाने और उपग्रह समूह स्थापित करने का अधिकार मिला है। भारत की लागत दक्षता, समृद्ध प्रतिभा भंडार और जोखिम उठाने की क्षमता पर जोर देते हुए प्रधानमंत्री ने उद्यमियों से वैश्विक वाणिज्यिक उपयोगों का विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने पर्यावरण एजेंसियों, कृषि संस्थानों और विद्यालय स्तर की अटल नवाचार प्रयोगशालाओं के साथ रणनीतिक क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की भी अपील की, ताकि भारत को विश्वस्तरीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाया जा सके।

मुख्य बिंदु:

- निजी अंतरिक्ष संस्थापकों से संवाद: उपग्रह और प्रणोदन प्रौद्योगिकियों में नवीनतम नवाचारों की समीक्षा के लिए बीस उभरते नव उद्यमों के प्रमुखों के साथ संवाद।
- व्यावहारिक तकनीकी अनुप्रयोगों को प्रोत्साहन: युवा उद्यमियों से ऐसी अंतरिक्ष आधारित तकनीकी समाधान विकसित करने का आग्रह, जो कृषि, पर्यावरण निगरानी और आपदा प्रबंधन में प्रत्यक्ष लाभ पहुंचाएं।
- वैश्विक नवाचार केंद्रों का निर्माण: घरेलू अंतरिक्ष कंपनियों से अपनी परिचालन क्षमताओं का विस्तार करने और भारत को विदेशी पूंजी के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में स्थापित करने का आग्रह।

9. Prime Minister Interacts with Space Startup Leaders to Discuss India's Space Sector

Prime Minister Narendra Modi interacted with chief executive officers and founders representing twenty space startups at Seva Teerth, highlighting the transformational impact of the landmark Indian Space Policy 2023. This liberalized statutory framework officially opened the domestic space sector to non-government entities, empowering private enterprises to execute end-to-end launch operations, build rockets, and deploy satellite constellations. Emphasizing India's cost efficiency, rich talent pool, and inherent risk-taking capability, the Prime Minister urged entrepreneurs to expand global commercial applications. He encouraged strategic cross-sector collaborations with environmental agencies, agricultural institutions, and school-level Atal Tinkering Labs to build a world-class space technology hub.

Key Points:

- Engaging private space founders: Interacting with leaders from twenty emerging startups to review cutting edge innovations in satellites and propulsion technologies.
- Encouraging practical technological applications: Urging young entrepreneurs to create space solutions that directly benefit domestic agriculture, environmental monitoring, and disaster management.
- Building global innovation hubs: Urging domestic space firms to expand operational capabilities and position the country as an attractive destination for foreign capital.

10. रक्षा मंत्रालय ने आभासी आधारशिला समारोह के माध्यम से जीआरएसई और वाईआईएल की पांच विस्तार परियोजनाओं को आगे बढ़ाया

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आभासी माध्यम से पांच प्रमुख विस्तार परियोजनाओं की आधारशिला रखी, जिनसे गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स और यंत्र इंडिया लिमिटेड को लाभ मिलेगा। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में मुख्यालय स्थित जीआरएसई एक प्रमुख रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, जो भारतीय नौसेना और तटरक्षक बल के लिए स्वदेशी युद्धपोतों के निर्माण और आपूर्ति के लिए प्रसिद्ध है। लगभग 3,500 करोड़ रुपये की इन नई बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाओं का उद्देश्य घरेलू पोत निर्माण, पोत मरम्मत क्षमताओं और उन्नत धातुकर्म विनिर्माण को मजबूत करना है। यह विस्तार समुद्री क्षेत्र में आत्मनिर्भरता के राष्ट्रीय प्रयासों को गति देगा और पश्चिम बंगाल के समग्र औद्योगिक विनिर्माण तंत्र को भी मजबूत करेगा।

मुख्य बिंदु:

- राष्ट्रीय पोत निर्माण ढांचे का विस्तार: पश्चिम बंगाल में उन्नत पोत निर्माण और मरम्मत सुविधाएं स्थापित करके भारी समुद्री विनिर्माण तथा मरम्मत क्षमताओं को बढ़ावा देना।
- सैन्य फोर्जिंग प्रौद्योगिकी का उन्नयन: विशेष तोप नलिकाओं, हवाई बम नलिकाओं और भारी सैन्य उपकरणों के निर्माण के लिए आधुनिक भारी क्षमता वाले जलचालित दबाव उपकरण स्थापित करना।
- आयात पर निर्भरता कम करना: 3,500 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करके स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को मजबूत करना और स्थानीय आपूर्ति श्रृंखला तंत्र को समर्थन देना।

★★★

10. Defence Ministry Advances Five Expansion Projects of GRSE and YIL Through Virtual Groundbreaking Ceremony

- Defence Minister Rajnath Singh virtually laid the foundation stone for five major brownfield expansion projects benefiting Garden Reach Shipbuilders and Engineers and Yantra India Limited. Headquartered in Kolkata, West Bengal, GRSE is a premier Defence Public Sector Undertaking renowned for constructing and delivering indigenous warships for the Indian Navy and Coast Guard. The newly initiated infrastructure development projects, valued at nearly three thousand five hundred crore rupees, aim to bolster domestic shipbuilding, ship repair capabilities, and advanced metallurgical manufacturing. This major expansion significantly accelerates national efforts toward maritime self-reliance and enhances West Bengal's overall industrial manufacturing ecosystem.

Key Points:

- Expanding national shipyard infrastructure: Setting up advanced shipbuilding and repair facilities in West Bengal to boost heavy maritime manufacturing and overhaul capabilities.
- Upgrading military forging technology: Installing modern heavy duty hydraulic presses to produce specialized gun barrels, aerial bomb tubes, and heavy military hardware.
- Reducing reliance on imports: Investing over three thousand five hundred million rupees to strengthen indigenous defense manufacturing and support local supply chain ecosystems.

★★★

दैनिक समसामयिक DAILY CURRENT AFFAIRS MCQs प्रश्नोत्तरी

Q1. रक्षा मंत्रालय द्वारा 2026 में जीआरएसई और वाईआईएल के लिए शुरू की गई बुनियादी ढांचा विस्तार परियोजनाओं के संदर्भ में, गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स का मुख्यालय कहाँ स्थित है?

(a) मुंबई (b) कोलकाता
(c) कोच्चि (d) विशाखापत्तनम

Q2. भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों को प्रक्षेपण अभियानों के सभी चरणों का संचालन करने में सक्षम बनाने वाली नीति कौन-सी है?

(a) राष्ट्रीय ड्रोन नीति (b) भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023
(c) भू-स्थानिक आंकड़ा नीति (d) सुदूर संवेदन दिशानिर्देश

Q3. राष्ट्रीय कौशल विकास निगम और कल्टस एजुकेशन ने भारतीय युवाओं के लिए क्लाउड और कृत्रिम बुद्धिमत्ता कौशल कार्यक्रम शुरू करने के लिए किस कंपनी के साथ साझेदारी की?

(a) माइक्रोसॉफ्ट एज्योर (b) आईबीएम क्लाउड
(c) गूगल क्लाउड (d) अमेजन वेब सर्विसेज

Q4. 2026 में जनजातीय भाषाओं और संग्रहालयों पर राष्ट्रीय सम्मेलन के लिए नोडल स्थल के रूप में मैसूरु स्थित किस संस्थान को निर्धारित किया गया है?

(a) भारतीय भाषा संस्थान
(b) इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय
(c) राष्ट्रीय संग्रहालय संस्थान
(d) जनजातीय अनुसंधान संस्थान

Q5. अगस्त 2026 में विशाखापत्तनम में आयोजित ब्रिक्स मैत्री साइकिल रैली के दौरान किस राष्ट्रीय फिटनेस आंदोलन को प्रमुखता दी गई?

(a) खेलो इंडिया युवा आंदोलन
(b) फिट इंडिया आंदोलन
(c) ओलंपिक पोडियम लक्ष्य योजना
(d) शीर्ष कनिष्ठ पहल

Q1. In the context of the infrastructure expansion projects initiated by the Ministry of Defence for GRSE and YIL in 2026, where is the headquarters of Garden Reach Shipbuilders & Engineers located?

(a) Mumbai (b) Kolkata
(c) Kochi (d) Visakhapatnam

Q2. Which policy enabled private companies in the Indian space sector to undertake all stages of launch missions?

(a) National Drone Policy
(b) Indian Space Policy 2023
(c) Geospatial Data Policy
(d) Remote Sensing Guidelines

Q3. National Skill Development Corporation and Cultus Education partnered with which company to launch a cloud and artificial intelligence skills programme for Indian youth in 2026?

(a) Microsoft Azure (b) IBM Cloud
(c) Google Cloud (d) Amazon Web Services

Q4. Which major national institute located in Mysuru was designated as the nodal venue for the National Conference on Tribal Languages and Museums in 2026?

(a) Central Institute of Indian Languages
(b) Indira Gandhi National Museum of Mankind
(c) National Museum Institute
(d) Tribal Research Institute

Q5. Which major national fitness movement was highlighted during the BRICS Friendship Cycle Rally held in Visakhapatnam in August 2026?

(a) Khelo India Youth Movement
(b) Fit India Movement
(c) Target Olympic Podium Scheme
(d) TOPS Junior Initiative

Q6. अगस्त 2026 में ब्रिक्स खेल मंत्रियों की बैठक की मेजबानी भारत के किस शहर ने की?

(a) नई दिल्ली (b) बेंगलुरु
(c) विशाखापत्तनम (d) चेन्नई

Q7. भारतीय नौसेना का प्रशिक्षण पोत आईएनएस सुदर्शिनी किस वर्ग से संबंधित है?

(a) तरंगिनी वर्ग (b) शिवालिक वर्ग
(c) तलवार वर्ग (d) कामोर्टा वर्ग

Q8. केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने 2026 में जापान के लिए 200 सदस्यीय भारतीय व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किस प्रमुख उद्योग संगठन के तत्वावधान में किया?

(a) भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ
(b) भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल
(c) राष्ट्रीय सॉफ्टवेयर एवं सेवा कंपनियों का संघ
(d) भारतीय उद्योग परिसंघ

Q9. भारतीय राज्यों में पुनर्योजी कृषि, प्राकृतिक खेती और मृदा स्वास्थ्य सुधार को बढ़ावा देने वाली प्रमुख केंद्रीय योजना कौन-सी है?

(a) प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि
(b) प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना
(c) प्रधानमंत्री किसान ऊर्जा सुरक्षा एवं उत्थान महाभियान
(d) परंपरागत कृषि विकास योजना

Q10. अगस्त 2026 में उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने नई पॉपकॉर्न बीज किस्म के शुभारंभ के लिए आंध्र प्रदेश के किस जिले के मुसुनुरु गाँव का दौरा निर्धारित किया?

(a) विशाखापत्तनम (b) एलुरु
(c) तिरुपति (d) गुंटूर

Q6. Which Indian city hosted the BRICS Sports Ministers' Meeting in August 2026?

(a) New Delhi (b) Bengaluru
(c) Visakhapatnam (d) Chennai

Q7. INS Sudarshini, the training vessel of the Indian Navy, belongs to which class?

(a) Tarangini Class (b) Shivalik Class
(c) Talwar Class (d) Kamorta Class

Q8. Under the aegis of which major industry organisation did Union Minister Piyush Goyal lead a 200-member Indian business delegation to Japan in 2026?

(a) Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry
(b) Indian Chamber of Commerce and Industry
(c) National Association of Software and Service Companies
(d) Confederation of Indian Industry

Q9. Which major Central Government scheme promotes regenerative agriculture, natural farming, and improvement of soil health across Indian states?

(a) Pradhan Mantri Kisan Samman Nidhi
(b) Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana
(c) Pradhan Mantri Kisan Urja Suraksha evam Utthaan Mahabhiyan
(d) Paramparagat Krishi Vikas Yojana

Q10. In August 2026, Vice President C. P. Radhakrishnan was scheduled to visit Musunuru village in which district of Andhra Pradesh to launch a new popcorn seed variety?

(a) Visakhapatnam (b) Eluru
(c) Tirupati (d) Guntur

उत्तरमाला (Answer Key)

1 B	2 B	3 D	4 A	5 B	6 C	7 A	8 A	9 D	10 B